सीएमडी संवाद

श्री भूपेन्द्र गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

नव वर्ष 2026 के स्वागत के अवसर पर, मैं एसजेवीएन परिवार के समस्त सदस्यों एवं उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूं।

गत वर्ष उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं सामूहिक प्रयासों से परिपूर्ण रहा, जो एसजेवीएन की प्रथम ताप परियोजना, बक्सर ताप विद्युत परियोजना की प्रथम इकाई (660 मेगावाट) की कमीशनिंग के साथ ऐतिहासिक रहा। वर्ष 2025 उन अविस्मरणीय अवसरों का भी साक्षी रहा, जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने मई 2025 में बक्सर ताप विद्युत परियोजना की प्रथम इकाई (660 मेगावाट) का वर्चुअल उद्घाटन और राजस्थान में 100 मेगावाट नवा सौर विद्युत परियोजना तथा सितंबर, 2025 में गुजरात के खावड़ा सौर पार्क में 200 मेगावाट सौर विद्युत परियोजना की आधारशिला रखी। आइए हम इस गति को नई दृढ़ता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण तथा सतत विकास के प्रति साझा दायित्व की भावना के साथ और अधिक सशक्त बनाएं।

अपनी नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो को और सुदृढ़ करते हुए, 1000 मेगावाट बीकानेर सौर विद्युत परियोजना का पूर्ण रूप से कमीशनिंग किया गया है, जिससे हमारी कुल स्थापित क्षमता बढ़कर 4126.50 मेगावाट हो गई है। इससे हमारे पोर्टफोलियो को उल्लेखनीय मजबूती प्राप्त हुई है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने में परियोजना टीम, सभी एसजेवीनाइट्स तथा हमारे साथ जुड़े समस्त प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष स्टेकहोल्डर्स के अथक प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ। यह उपलब्धि भारत सरकार के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने के अनुरूप है तथा देश की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन एवं भविष्य में हमारे सामूहिक योगदान को रेखांकित करती है।

निर्माणाधीन जलविद्युत परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 66 मेगावाट धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना में अब तक समग्र 71 प्रतिशत प्रगति की गई है तथा बाँध कंक्रीटिंग, विद्युतगृह कंक्रीटिंग, स्पाइरल केस एवं पेनस्टश्वक की स्थापना संबंधी कार्य अग्रिम चरण में हैं।

210 मेगावाट लूहरी चरण-I जलविद्युत परियोजना में समग्रत: 51 प्रतिशत भौतिक प्रगति हासिल की गई है तथा डायवर्जन टनल के रेस्टोरेशन संबंधी कार्य प्रगति पर हैं।

900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना में अब तक समग्रत: 72 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। एचआरटी हेडिंग का कार्य पूर्ण हो गया है तथा लाइनिंग का कार्य प्रगति पर है। विद्युतगृह परिसर कार्य अग्रिम चरण में हैं और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल घटकों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। बाँध कंक्रीटिंग का कार्य 46 प्रतिशत कंक्रीटिंग की पूर्णता के साथ चल रहा है, जबकि 63 प्रतिशत ट्रांसमिशन लाइन कार्य भी पूर्ण किया गया है।

382 मेगावाट सुन्नी डैम जलविद्युत परियोजना में अब तक 31 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया। बाँध के बाएँ एबटमेंट पर खुदाई का कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि दाएँ एबटमेंट पर खुदाई कार्य प्रगति पर है। एमएटी पर हेडिंग की खुदाई पूर्ण हो गई है तथा पावरहाउस कैवर्न, ट्रांसफॉर्मर हॉल कैवर्न, टेल रेस टनल एवं प्रेशर शाफ्ट के लिए एडिट की खुदाई कार्य प्रगति पर है।

मैंने, हाल ही में निदेशक (कार्मिक) एवं निदेशक (वित्त) के साथ नेपाल में अवस्थित एसजेवीएन की परियोजनाओं का दौरा किया, जहाँ 900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना तथा उससे संब) 217 कि.मी., 400 केवी अरुण-3 ट्रांसमिशन लाइन, जिसमें ढालकेबर स्थित 400/220 केवी एसएपीडीसी सबस्टेशन भी शामिल है, की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान पुखुवा स्थित विद्युतगृह के साथ प्रमुख स्थलों पर समीक्षा बैठकें आयोजित की गई, जहाँ परियोजना की प्रगति, चुनौतियों तथा उनके निवारणार्थ उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

हमने काठमांडू में नेपाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अरुण-3 जलविद्युत परियोजना, ट्रांसमिशन लाइन तथा 669 मेगावाट लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना सहित चल रही एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा संबंधी उच्च स्तरीय बैठकें की और प्रमुख मुद्दों पर चर्चा भी की। नेपाल सरकार ने एसजेवीएन की परियोजनाओं के समयबद्ध एवं सफल क्रियान्वयन के लिए

पूर्ण सहयोग एवं प्राथमिकता आधारित सहायता का आश्वासन दिया।

देशभर में नए श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन के साथ, एसजेवीएन ने परियोजना स्थलों पर ठेकेदार समूहों को संशोधित लेबर कोड से परिचित करवाने के उद्देश्य से जागरूकता सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में महिला सशक्तिकरण, गिग एवं प्लेटफॉर्म कर्मियों का समावेशन, बढ़ी हुई सामाजिक सुरक्षा, व्यावसायिक सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंधों से संबंधित प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डाला गया। संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया, नई श्रम संहिताओं की सुगम एवं सुबोध समझ विकसित की गई।

एसजेवीएन ने सभी इकाइयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन किया, जिसके साथ-साथ तीन माह का सतर्कता जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसका उद्देश्य शपथ ग्रहण, जागरूकता कार्यक्रमों एवं संवेदनशील पहलों के माध्यम से पारदर्शिता, नैतिक आचरण तथा निवारक सतर्कता को बढ़ावा देना था। इसके अतिरिक्त, संगठन ने विशेष अभियान 5.0 में भी सहभागिता की, जिसके अंतर्गत कारपोरेट मुख्यालय सहित समस्त इकाइयों एवं परियोजना स्थलों पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाए गए तथा लंबित मामलों का व्यवस्थित निपटारा किया गया।

एसजेवीएन ने वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को सामूहिक गायन के साथ मनाया तथा संविधान दिवस के अवसर पर सभी कार्यालयों एवं परियोजना स्थलों पर कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस पर कर्मचारियों को एकता की शपथ दिलाई तथा राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने के लिए शपथ समारोह का आयोजन किया गया।

सीएसआर पहल के अंतर्गत, एसजेवीएन ने नगर निगम, शिमला को दो इलेक्ट्रिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन वाहनों की खरीद के लिए ₹25.44 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की, यह पहल स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छोत्सव थीम के अनुरूप, शून्य-उत्सर्जन अपशिष्ट संग्रह के सहायतार्थ तथा शहरी स्वच्छता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अवार्ड हमारे प्रयासों की पुष्टि करते हैं तथा गर्व, प्रसन्नता और निरंतर कठोर परिश्रम के लिए नव उत्साह का संचार करते हैं। एसजेवीएन को स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के दौरान अपनी परियोजनाओं एवं इकाइयों में समुचित कार्य योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन तथा प्रभावशाली स्वच्छता एवं जागरूकता पहलों की पहचान के लिए भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा अवार्ड 2025 के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

एसजेवीएन को 'एक्सीलेन्स इन मैनेजिंग एम्प्लोयी परफोर्मेंस' श्रेणी में फर्स्ट रनर-अप के तौर पर प्रतिष्ठित एसएच आरएम इंडिया एचआर अवॉर्ड्स 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान एसजेवीएन की प्रभावी कर्मचारी-केंद्रित एचआर प्रैक्टिस और वर्कफोर्स परफॉर्मेंस और ऑर्गनाइजेशनल इफेक्टिवनेस को बढ़ाने में उनकी भूमिका रेखांकित करता है।

एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में, एसजेवीएन ने नराकास शिमला, कार्यालय-2 वार्षिक राजभाषा पुरस्कार के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। नराकास शिमला, कार्यालय-2 द्वारा सदस्य कार्यालयों को राजभाषा शील्ड प्रदान कर राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सम्मानित किया जाता है। इसके साथ ही, हिंदी भाषा में साहित्यिक सृजन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एसजेवीएन द्वारा राजभाषा पत्रिका 'हिमसंवाद' के चौथे अंक का भी विमोचन किया गया।

पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित आईसीपीएसयू ब्रिज टूर्नामेंट में एसजेवीएन महिला टीम ने प्रथम उपविजेता का स्थान प्राप्त किया और यह उपलब्धि टीम ने लगातार दूसरे वर्ष हासिल की है। इसके अतिरिक्त, टीम ने पेयर चौंपियनशिप में भी शानदार प्रदर्शन किया तथा प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार अपने नाम किए। इस प्रशंसनीय उपलब्धि के लिए सम्पूर्ण महिला टीम को हार्दिक बधाई।

हिमाचल प्रदेश की नोडल एजेंसी के रूप में, एसजेवीएन ने विद्यालय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्कूली बच्चों की व्यापक भागीदारी के रूप में राज्य की सहभागिता का सफलता पूर्वक समन्वय किया। इस वर्ष राज्य के सभी जिलों के 4,825 विद्यालयों से 2.23 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर चित्रकला प्रतियोगिता 2025 में हिमाचल प्रदेश ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया तथा विद्युत मंत्रालय ने एसजेवीएन के समन्वय एवं सुगम प्रयासों की सराहना करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

गत वर्ष की उपलब्धियाँ एसजेवीनाइट्स के सामूहिक समर्पण और तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाती हैं। नव वर्ष में प्रवेश करते हुए, आइए हम यह संकल्प लें कि विश्वसनीय, सतत एवं किफायती विद्युत की आपूर्ति के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देते रहेंगे तथा व्यावसायिकता, जवाबदेही और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को सदैव बनाए रखेंगे।

आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ - यह नव वर्ष आपके लिए सुखमय, स्वस्थ एवं समृद्ध हो!

speedways46@gmail.com

भूपेन्द्र गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक